आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक–20 जुलाई 2024 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- एनसीआर की तर्ज पर उत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्र–एससीआर का गठन। प्रदेश के छः जिले लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, उन्नाव, रायबरेली और बाराबंकी जिले होंगे शामिल।
- प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिये किसानों को अनुदान देगी सरकार। केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा– प्राकृतिक खेती के लिये देश भर में शुरू होगा जागरूकता अभियान।
- प्रदेशभर में आज चलाया जायेगा वृहद पौधरोपण अभियान। छत्तीस करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य।
- कांवड़ यात्रा मार्ग पर खाने–पीने की दुकानों पर नेम प्लेट लगाना होगा अनिवार्य।

****

प्रदेश के छः जिलों–लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, उन्नाव, रायबरेली और बाराबंकी को मिलाकर उत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्र–एससीआर का गठन किया गया है। एससीआर का क्षेत्रफल सत्ताइस हजार आठ सौ छब्बीस वर्ग किलोमीटर का होगा। इसके गठन के साथ ही सरकार ने उत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण भी बना दिया है, जिसका मुख्यालय लखनऊ में होगा। इस सम्बन्ध में आवासीय एवं शहरी नियोजन विभाग द्वारा शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी गयी। एनसीआर प्लानिंग बोर्ड की तर्ज पर एससीआरडीए के गठन को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार ने करीब साढ़े चार माह पहले उत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्र और अन्य क्षेत्र विकास प्राधिकरण अध्यादेश दो हजार चौबीस को मंजूरी दी थी। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की स्वीकृति मिलने के बाद लागू अध्यादेश के तहत आवास एवं शहरी नियोजन विभाग के अपर मुख्य सचिव डॉक्टर नितिन रमेश गोकर्ण ने उत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्र और उत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण के गठन सम्बन्धी अधिसूचना भी जारी कर दी है। इस अधिसूचना के मुताबिक एससीआर के दायरे में राजधानी लखनऊ के साथ ही हरदोई, सीतापुर, उन्नाव, रायबरेली और अयोध्या मण्डल का बाराबंकी जिला भी होगा। उत्तर प्रदेश राज्य राजधानी क्षेत्र विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष मुख्यमंत्री और उपाध्यक्ष मुख्य सचिव होंगे।

****

लखनऊ में कल आयोजित प्राकृतिक खेती के विज्ञान पर क्षेत्रीय परामर्श कार्यक्रम में केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि खेती में रासायनिक खाद का इस्तेमाल किये बिना भी उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार प्राकृतिक खेती के लिये अखिल भारतीय स्तर पर जागरूकता अभियान शुरू करेगी।

दुनिया में कोई काम ऐसा नहीं जो वो ना कर सके आपने ठान लिया तो ये होगा। यह हमारा भी शुरु से संकल्प और इसी संकल्प से कि प्राकृतिक खेती को समझा कनवेंस किया गया। एक व्यापक जागरूकता का अभियान किसानों के बीच जो सच्चाई है जो तथ्य है। वो सारे देश के किसानों के सामने रखने होंगे. हम कम से कम एक करोड़ किसानों तक जाए जिनको प्राकृतिक खेती की विशेषता है और आज की समस्याएं उससे अवगत कराएँगे। हम कोशिश करेंगे उनमें से कनवेंस होके कम से कम अठारह लाख किसान ऐसे मिले जो प्राकृतिक खेती करने का संकल्प ले।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने किसानों से प्राकृतिक खेती शुरू करने की अपील करते हुए कहा कि शुरुआती दो वर्षों में उत्पादन कम होगा इसलिए सरकार प्राकृतिक खेती करने के लिये पहले तीन वर्षों के लिए किसानों को सब्सिडी देगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार किसानों को प्राकृतिक खेती के लिए प्रमाण पत्र भी प्रदान करेगी। किसानों को उनके उत्पादन का बेहतर दाम भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य उर्वरक मुक्त खेती पर ध्यान केंद्रित करना है, इससे न केवल खेती की लागत कम होगी बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होगी।

श्री चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप हम प्राकृतिक खेती के सभी लक्ष्य हासिल करेंगे।

अपने संबोधन के दौरान गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा कि प्राकृतिक खेती और जैविक खेती दो अलग–अलग चीजें हैं और इस अंतर को समझना जरूरी है. उन्होंने प्राकृतिक खेती के लाभों पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर बोलते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश में प्राकृतिक खेती के उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। श्री योगी ने इस बात पर जोर दिया कि हमें बीज से लेकर बाजार तक कृषि उत्पादों के प्राकृतिक स्वरूप को बनाये रखना होगा।

प्रधानमंत्री मोदी जी ने आज से तीन वर्ष पहले प्राकृतिक खेती के लिए जिस एक अभियान को आगे किया था, आज उसके अच्छे परिणाम देखने को मिले है। बीज से लेकर बाजार तक इसकी प्राकृतिक स्वरूप को बनाए रखना होगा और उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में इसकी व्यापक संभावनाएं हैं लेकिन अब हमें आज की आवश्यकता के अनुरूप उस क्वालिटी पे भी ध्यान देना पड़ेगा जो हैपीनेस इंडेक्स को सही मायने में जमीनी धरातल पर उतार सके।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सभी छह कृषि विश्वविद्यालयों को सर्टिफिकेशन लैब को बेहतर बनाने के निर्देश दिये गये हैं। कार्यक्रम में प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही, कृषि राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपतिगण, विशेषज्ञ और प्रगतिशील किसान मौजूद रहे।

****

माइक्रोसॉफ्ट साफ्टवेयर में आई गडबडी के कारण देश–दुनिया के साथ ही प्रदेश में भी उड़ाने प्रभावित हुयी है। कल गोरखपुर एयरपोर्ट पर इण्डिगो और आकासा एयरलाइन्स की दिल्ली, कोलकाता और मुंबई की उड़ाने एक से चार घंटे तक प्रभावित हुयी। इसी तरह प्रदेश के अन्य एयरपोर्ट से भी उड़ानों के प्रभावित होने की सूचना है। सबसे ज्यादे इण्डिगो एयरलाइन्स की उड़ान प्रभावित हुयी है।

****

प्रदेशभर में आज वृहद पौधरोपण अभियान चलाया जायेगा, जिसके तहत छत्तीस करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लखनऊ में अकबरनगर क्षेत्र में पौधरोपण करके पेड़ लगाओ–पेड़ बचाओ, जन अभियान 2024 का शुभारम्भ करेंगे। वह अपने गृह जनपद गोरखपुर के शहीद अशफाक उल्लाह खां प्राणि उद्यान पार्क में भी पौधरोपण करेंगे। वहीं, सभी प्रभारी मंत्री और जनप्रतिनिधि अपने–अपने जनपदों में पौधरोपण अभियान कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस अभियान में आमजन के साथ–साथ सभी सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों और अन्य संस्थाओं से जुड़े लोग भी शामिल होंगे। लखनऊ मंडल में सबसे अधिक चार करोड़ पौधे लगाये जायेंगे। प्रदेश के वन मंत्री अरूण सक्सेना लखनऊ में पौधरोपण अभियान कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। वहीं उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य प्रयागराज–कौशाम्बी में तथा बृजेश पाठक उन्नाव–कानपुर देहात में, कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही अयोध्या–देवरिया में पौधरोपण करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ पौधरोपण कार्यक्रम में सम्मिलित होकर इसे जन आन्दोलन बनाने के लिये कहा है। उन्होंने पौधों के साथ सेल्फी लेकर उसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर अपलोड़ करने की भी अपील की है।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांवड यात्रा मार्ग पर पड़ने वाली खाने–पीने की दुकानों पर नेम प्लेट लगाना अनिवार्य कर दिया है। नेम प्लेट में दुकान संचालक और उसके मालिक का नाम लिखा जायेगा। कांवड़ यात्रियों की आस्था की शुचिता बनाये रखने के लिये सरकार ने यह कदम उठाया है।

उधर, प्रदेश में विभिन्न जनपदों से होकर निकलने वाले कांवड़ यात्रा को लेकर प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली है। मेरठ के जिलाधिकारी दीपक मीणा ने बताया–

बाईस तारीख से सावन का महीना स्टार्ट हो रहा है। और अब धीरे धीरे कांवड चलने भी लगी है। सभी तैयारियां पूर्ण है। इस बार हमने सभी रोड की व्यवस्था, सभी जगह पेयजल, सभी जगह लाइट की पर्याप्त व्यवस्था, साफ सफाई की व्यवस्था और शिविरों के जो भी लगाएंगे आयोजक और शिविर जो लगाएंगे उनके साथ बैठक हम लोगों ने कर ली है। उन लोगों को इंनसट्रेक्सन दे दिए हैं। खाद्य सुरक्षा के लिए भी बोला गया है की जब भी शिविर लग जाए तो उनकी भी प्रापरली खाने की क्वालिटी और सब देखें। और इसके अलावा सिक्योरिटी को देखते हुए सभी जगह पे जोन और सेक्टर में डिवाइट किया गया है। मजिस्ट्रेट और पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गयी है।

बागपत में मंडलायुक्त सेल्वा कुमारी जे और आईजी मेरठ नचिकेता झा ने कल कांवड़ मार्ग और पुरा महादेव मंदिर मार्ग पर मेले की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने कांवड़ियों की यात्रा को सरल और सुगम बनाने पर जोर देते हुए सड़क, सफाई, पेयजल, चिकित्सा, सुरक्षा और प्रकाश की चाक चौबंद व्यवस्था करने के निर्देश दिये।

****